दसवां विश्व हिंदी सम्मेलन

10-12 सितंबर, 2015, भोपाल

समानांतर सत्र

1. **विदेश नीति में हिंदी - 2 सत्र**

अध्यक्ष	**श्रीमती सुषमा स्वराज, माननीय विदेश मंत्री एवं प्रवासी भारतीय कार्य मंत्री, भारत सरकार**
वक्ता	1. **श्री ज्ञानेश्वर मुले, प्रधान कौंसुल, न्यूयार्क** (उप विषय- हिंदी के प्रसार में राजनयिकों की भूमिका) 2. **श्री अतुल खरे, अवर महासचिव, संयुक्त राष्ट्र संघ** (उप विषय- हिंदी में कार्य करने में समस्याएं और समाधान) 3. **श्री कुर्बान अली, पत्रकार** (उप विषय- विदेश नीति की चर्चा-परिचर्चा में हिंदी) 4. **प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा** (उप विषय- विदेशी भाषाओं में हिंदी के भाषांतरकारों तथा अनुवादकों की कमी: एक प्रमुख बाधा) 5. **श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी, माननीय सांसद, राज्य सभा** (उप विषय- भारत में विदेश नीति पर अंग्रेजी का एकाधिकार)
प्रबोधक	माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
संयोजक	**श्री विपुल**

2. **प्रशासन में हिंदी - 2 सत्र**

अध्यक्ष	**श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय मुख्य मंत्री, मध्य प्रदेश**
वक्ता	**1. डॉ. राजेंद्र प्रसाद मिश्र, हिंदी विभाग, एनटीपीसी** (उप विषय- प्रशासनिक हिंदी शब्दावली की विशेषताएं: आवश्यकता और उपयोगिता) 2. **डॉ. राम लखन मीणा, हिंदी विभाग, मानविक एवं भाषा स्कूल, राजस्थान केन्द्रीय विश्व विद्यालय, किशनगढ़, अजमेर** (उप विषय- प्रशासनिक हिंदी: व्यवहारिक संदर्भ) 3. **श्रीमती पूनम जुनेजा, संयुक्त सचिव (राजभाषा विभाग), भारत सरकार** (उप विषय- प्रशासनिक गतिविधियां और राजभाषा का नीति-निर्धारण) 4. **प्रो. एम. पी. शर्मा** (उप विषय- प्रशासन में हिंदी का कार्यान्वयन: मुद्दे और चुनौतियां) 5. **प्रो. चंद्रकला पाडिया, कुलपति, गंगा शरण सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर** (उप विषय- कार्यालयी हिंदी और अनुवाद की समस्या) 6. **प्रो. बी. के. कुठियाला, कुलपति, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल** (उप विषय- अन्य भाषा-भाषी प्रान्तों से आए प्रशासनिक अधिकारियों के लिए हिंदी शिक्षण की व्यवस्था)
प्रबोधक	माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
संयोजक	**डॉ. हरीश नवल**

3. विज्ञान क्षेत्र में हिंदी - 2 सत्र

अध्यक्ष	**डॉ. हर्ष वर्धन, माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार**
वक्ता	**1. डॉ. बी. के. सिन्हा, पूर्व निदेशक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग** (उप विषय- हिंदी में विज्ञान शब्दकोश की आवश्यकता और वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दों के गठन में आने वाली चुनौतियां) **2. डॉ. शिवगोपाल मिश्रा** (उप विषय- हिंदी में विज्ञान साहित्य की वर्तमान स्थिति और संभावनाएं एवं विज्ञान में हिंदी की स्वीकार्यता में किए जा रहे प्रयास) **3. प्रो. मोहनलाल छीपा, कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल** (उप विषय- चिकित्सा विज्ञान में हिंदी की पढ़ाई कराने का प्रयास) **4. डॉ. एन. के. सहगल** (उप विषय- विज्ञान लोकप्रियकरण और वैज्ञानिक सोच विकसित करने में हिंदी की भूमिका) **5. डॉ. सुभाष लखेड़ा** (उप विषय- हिंदी में विज्ञान संचार और रक्षा विज्ञान)
प्रबोधक	माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
संयोजिका	**श्रीमती किंकिणी दासगुप्ता मिश्रा, वैज्ञानिक, विज्ञान प्रसार**

4. संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी - 2 सत्र

अध्यक्ष	**श्री रवि शंकर प्रसाद, माननीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, भारत सरकार**
वक्ता	1. **श्री अशोक चक्रधर** (उप विषय- संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी की स्थिति और चुनौतियां) 2. **श्री हर्ष कुमार** (उप विषय- हिंदी के विकास में संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका) 3. **श्री विजय कुमार मल्होत्रा** (उप विषय- हिंदी में शिक्षण-प्रशिक्षण और ई-अधिगम (ई-लर्निंग)) 4. **श्री आदित्य चौधरी, संस्थापक, भारत कोश** (उप विषय- कंप्यूटर, ई-मेल, इंटरनेट और डिजिटल इंडिया में हिंदी) 5. **श्री बालेंदु शर्मा दधीच** (उप विषय- संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी: रोजगारमूलक संभावनाएं) 6. **डॉ. सुजय लेले** (उप विषय- देवनागरी के संरक्षण और संवर्द्धन के लिए इंस्क्रिप्ट)
प्रबोधक	माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
संयोजक	**डॉ. रचना बिमल**

5. विधि तथा न्याय क्षेत्र में हिंदी और भारतीय भाषाएं- 1 सत्र

अध्यक्ष	**श्री केशरी नाथ त्रिपाठी, माननीय राज्यपाल, पश्चिम बंगाल**
वक्ता	1. **जस्टिस शंभूनाथ श्रीवास्तव, लोकायुक्त, छत्तीसगढ़** (उप विषय- विधि और न्याय क्षेत्र में हिंदी तथा भारतीय भाषाओं की आवश्यकता) 2. **श्री दयाशंकर मिश्रा, अधिवक्ता** (उप विषय- विधि और न्याय में हिंदी की सीमाएं और संभावनाएं) 3. **श्री श्रीपति मधुकर खिरवड़कर, अधिवक्ता** (उप विषय- विधि-न्याय में अंग्रेजी बनाम हिंदी तथा भारतीय भाषाएं)
प्रबोधक	माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
संयोजक	**श्री प्रदीप कुमार, एडवोकेट**

6. बाल साहित्य में हिंदी - 1 सत्र

अध्यक्ष	**डॉ. बालशौरी रेड्डी**
वक्ता	1. **डॉ. श्याम सिंह शशि** (उप विषय- हिंदी का बाल साहित्य तथा विश्व परिपेक्ष्य) 2. **डॉ. वीणा गौतम** (उप विषय- हिंदी के बाल साहित्य में लोरी और शिशुगीत) 3. **डॉ. मधु पंत** (उप विषय- हिंदी के बाल साहित्य में विज्ञान) 4. **प्रो. नंद लाल कल्ला** (उप विषय- हिंदी के बाल साहित्य में कार्टून)
प्रबोधक	माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
संयोजक	**श्रीमती उषा पुरी**

7. अन्य भाषा भाषी राज्यों में हिंदी - 1 सत्र

अध्यक्ष	**प्रो. एस. शेषारत्नम्**
वक्ता	1. **प्रो. बी. वाई. ललितांबा** (उप विषय- अन्य भाषा भाषी प्रदेशों में हिंदी: कल, आज और कल) 2. **प्रो. एम. ज्ञानम** (उप विषय- हिंदी प्रदेशों और अन्य भाषा भाषी प्रदेशों की संपर्क-सेतु: हिंदी) 3. **प्रो. सुशीला थॉमस** (उप विषय- हिंदी के विकास में अन्य भाषा भाषी प्रदेशों में स्थापित हिंदी संस्थाओं की भूमिका) 4. **डॉ. रामचन्द्र राय** (उप विषय: पूर्वोत्तर की भाषाओं पर हिंदी का प्रभाव)
प्रबोधक	माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
संयोजक	**श्री वाई. लक्ष्मी प्रसाद**

8. हिंदी पत्रकारिता और संचार माध्यमों में भाषा की शुद्धता - 1 सत्र

अध्यक्ष	**श्रीमती मृणाल पांडे**
वक्ता	1. **श्री ओम थानवी** (उप विषय- हिंदी पत्रकारिता पर अंग्रेजी का बढ़ता प्रभुत्व) 2. **श्री आलोक मेहता** (उप विषय- पारंपरिक पत्रकारिता और व्यावसायिक पत्रकारिता की भाषा: तुलनात्मक अध्ययन) 3. **डॉ. नरेन्द्र कोहली** (उप विषय- साहित्य और पत्रकारिता की भाषा में अंतर: चुनौतियां एवं समाधान) 4. **श्री राहुल देव** (उप विषय- हिंदी पत्रकारिता और हिंदी का भविष्य)
प्रबोधक	माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
संयोजक	**श्री राजेन्द्र शर्मा**

9. गिरमिटिया देशों में हिंदी - 1 सत्र

अध्यक्ष	**श्रीमती मृदुला सिन्हा, माननीय राज्यपाल, गोवा**
वक्ता	**1. श्रीमती लीला देवी दूखन-लछुमन, माननीय शिक्षा व मानव संसाधन, क्षेत्रीय शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्री, मॉरीशस सरकार** (उप विषय- गिरमिटिया श्रमिकों का भाषा-इतिहास) **2. श्री आर. के. सिन्हा, माननीय सांसद, राज्य सभा** (उप विषय-गिरमिटिया देशों में हिंदी लेखन) **3. डॉ. राम नरेश मिश्र** (उप विषय- गिरमिटिया देशों की जातीय अस्मिता एवं संस्कृति की सूत्रधार: हिंदी) **4. श्रीमती सरिता बुद्दू** (उप विषय- रिश्ते-नाते की शब्दावली और गिरमिटिया हिंदी)
प्रबोधक	माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
संयोजक	**श्री मनोहर पुरी**

10. विदेश में हिंदी शिक्षण - समस्याएं और समाधान - 1 सत्र

अध्यक्ष	**डॉ. प्रेम जनमेजय**
प्रवक्ता	1. **डॉ. मारिया नजेशी, हंगरी** (उप विषय- विदेशों में हिंदी-शिक्षण: एक मूल्यांकन) 2. **डॉ. करूणा शर्मा, थाईलैंड** (उप विषय- विदेशों में हिंदी-शिक्षण और पाठ्य सामग्री की एकरूपता) 3. **श्री मोहम्मद इस्माईल, सऊदी अरब** (उप विषय- विदेशों में हिंदी शिक्षण का सरकारी और गैर सरकारी प्रयास) 4. **श्रीमती गुलनाज़ अब्दुल मज़ीद** (उप विषय- अरब देशों में हिंदी शिक्षण)
प्रबोधक	माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
संयोजक	**श्री सतीश मेहता, महानिदेशक (भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद)**

11. विदेशियों के लिए भारत में हिंदी अध्ययन की सुविधा - 1 सत्र

अध्यक्ष	**डॉ. कमल किशोर गोयंका, उपाध्यक्ष, केन्द्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, आगरा**
वक्ता	1. **प्रो. नंद किशोर पाण्डेय, निदेशक, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा** (उप विषय- विदेशियों के लिए हिंदी प्रशिक्षण देनी वाली संस्थाओं का सामंजस्य और विस्तार) 2. **श्रीमती किरण माला सिंह, फिजी** (उप विषय- दूरस्थ प्रणाली द्वारा विदेशियों को हिंदी शिक्षण) 3. **डॉ. विनोद बाला अरूण, मॉरीशस** (उप विषय- विदेशी छात्रों के लिए पाठ्यक्रम की एकरूपता)
प्रबोधक	माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
संयोजक	**डॉ. अवनीजेश अवस्थी**

12. देश और विदेश में प्रकाशन: समस्याएं एवं समाधान - 1 सत्र

अध्यक्ष	**श्री बलदेव भाई शर्मा, अध्यक्ष, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास**
वक्ता	1. **श्री राजनारायण गति, मॉरीशस** (उप विषय- विदेश में रहने वाले हिंदी लेखकों को भारत में प्रकाशन हेतु उपलब्ध सुविधाएं) 2. **श्री अशोक गुप्ता, अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इंडियन पब्लिशर्स** (उप विषय- हिंदी पुस्तकों का वैश्विक बाजार) 3. **डॉ. ऋता शुक्ल** (उप विषय- अप्रवासी लेखकों के लिए कार्यशालाओं के आयोजन की संभावनाएं)
प्रबोधक	माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय
संयोजक	**श्री प्रभात कुमार**